पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 40
Number of Pages in Booklet : 40

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

Paper Code : 83

ALP-23

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए। Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

प्रश्न-पुस्तिका संख्या व बारकोड/
Question Booklet No. & Barcode

375353

समय : 03 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03 Hours + 10 Minutes Extra*

Sub : Philosophy-I
Paper-I

अधिकतम अंक : 75
Maximum Marks : 75

प्रश्न-पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न-पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :

- प्रश्न-पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है।
- प्रश्न-पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं। समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें। यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी। परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :

- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र एक ही उत्तर दीजिए। एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा।
4. OMR उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है। जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल नीले बॉल पॉइंट पेन से विवरण भरें।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें। गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा।
6. प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा। गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है।
7. प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है। अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है।
8. यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें। यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा।
9.* प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जाँच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है। इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है।
10. यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा।
11. यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा।
12. मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है। यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्यादेश) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी। साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. All questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidate will themself be responsible for filling wrong Roll No.
6. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
7. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
8. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
9.* **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
10. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions, shall be disqualified.**
11. If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English Versions of the question, the English Version will be treated as standard.
12. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair Means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति। परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें। वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे। परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति सफल प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी।

1. रामानुज के 'प्रमा' के सम्बन्ध में निम्न विचार नहीं है :
(1) प्रमा सदा सविकल्पक होता है ।
(2) ज्ञान, ज्ञाता में रहता है ।
(3) ज्ञान चेतन जीव और जड़-जगत दोनों से भिन्न है ।
(4) ज्ञान परप्रकाशक होता है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

2. न्याय दर्शन के पदार्थों का सूत्रानुसारी खंडन प्राप्त होता है निम्न ग्रन्थ में :
(1) माध्यमिक-कारिका
(2) वैदल्य-सूत्र
(3) प्रमाणवार्त्तिक
(4) मानमेयोदय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

3. किस दार्शनिक विचारधारा के अनुसार ज्ञान आत्मा की क्रिया है, गुण नहीं ?
(1) भट्ट मीमांसक
(2) प्रभाकर मीमांसक
(3) नव्य-नैयायिक
(4) जैन-दर्शन
(5) अनुत्तरित प्रश्न

4. ईश्वर को विशेष पुरुष या परम आत्मा के तौर पर देखा गया है निम्न में :
(a) न्याय (b) योग
(c) अद्वैत वेदांत (d) मीमांसा
निम्न कूट का प्रयोग करते हुए सही विकल्प का चयन करें :
(1) (a), (b), (c)
(2) (a) तथा (b)
(3) केवल (b)
(4) (b) तथा (d)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

1. Ramanuja does not have the following views regarding Prāmā :
(1) Pramā is always Savikalpaka.
(2) Knowledge resides in the knower.
(3) Knowledge is different from both the conscious being and the inanimate world.
(4) Knowledge is extraneously luminous.
(5) Question not attempted

2. The epistemic categories of Nyāya find a sutra by sutra refutation in which text :
(1) Mādhyamika-Kārikā
(2) Vaidalya-Sūtra
(3) Pramāṇa-vārttika
(4) Mānameyodaya
(5) Question not attempted

3. According to which philosophical school, knowledge is an activity of the soul and not a quality ?
(1) Bhatt Mimāmsaka's
(2) Prabhākar Mimāṁsaka's
(3) Navya-Nyayika
(4) Jain Philosophy
(5) Question not attempted

4. God is seen as viśeṣa puruṣa or param ātman in :
(a) Nyāya
(b) Yoga
(c) Advait Vedānta
(d) Mīmāṁsā
Select the correct answer using codes below :
(1) (a), (b), (c)
(2) (a) & (b)
(3) (b) only
(4) (b) & (d)
(5) Question not attempted

5. बौद्ध दर्शन के निम्नलिखित सम्प्रदायों में से कौन इस मत को मानता है कि 'नीला रंग और नीले रंग की चेतना एक है क्योंकि दोनों का कभी पृथक अनुभव नहीं होता है' ?
(1) माध्यमिक
(2) योगाचार
(3) सौतान्त्रिक
(4) वैभाषिक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

6. प्रामाण्य विषयक सांख्य मत के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिये :
(a) सांख्य स्वत:-प्रामाण्य तथा स्वत:-अप्रामाण्य को स्वीकार करता है ।
(b) सांख्य में ज्ञान एक चित्तवृत्ति है ।
निम्न कूट का प्रयोग कर सही विकल्प का चयन कीजिए :
(1) केवल (a) सही है ।
(2) केवल (b) सही है ।
(3) (a) तथा (b) दोनों सही हैं तथा (b), (a) की सही व्याख्या करता है ।
(4) (a) तथा (b) दोनों सही हैं लेकिन (b), (a) की सही व्याख्या नहीं करता ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

7. जैन दर्शन के अनुसार 'मतिज्ञान' की उत्पत्ति का सही क्रम क्या है ?
(1) ईहा, अवग्रह, धारणा, अवाय
(2) अवग्रह, ईहा, अवाय, धारणा
(3) अवग्रह, अवाय, ईहा, धारणा
(4) अवाय, अवग्रह, ईहा, धारणा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

8. निम्नलिखित में से कौन सा दार्शनिक ज्ञानमीमांसीय द्वैतवाद से सम्बद्ध नहीं है ?
(1) प्रभाकर (2) गौतम
(3) वसुबन्धु (4) कपिल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

5. Which of the following school of Budhism holds the view that "the blue colour and the consciousness of the blue colour are identical because they are never perceived to exist seperately."
(1) Mādhyamika (2) Yogācāra
(3) Sautrāntika (4) Vaibhāṣika
(5) Question not attempted

6. Consider the following statements about Sāṁkhya view of prāmāṇya :
(a) Sāṁkhya believes in swataḥ prāmāṇya and swataḥ aprāmāṇya.
(b) In Sāṁkhya jñāna is a cittavṛtti.
Select the correct answer choosing the codes below :
(1) Only (a) is correct.
(2) Only (b) is correct.
(3) Both (a) and (b) are correct and (b) is a correct explanation of (a).
(4) (a) and (b) are individually correct but (b) is not a correct explanation of (a)
(5) Question not attempted

7. According to Jain philosophy what is the correct sequence of origin of "MatiGyana" (Perceptual knowledge) ?
(1) Iha, Avagraha, Dharna, Avāya
(2) Avagraha, Iha, Avāya, Dharna
(3) Avagraha, Avāya, Iha, Dharna
(4) Avāya, Avagraha, Iha, Dharna
(5) Question not attempted

8. Who among the following philosophers, is not associated with epistemological dualism ?
(1) Prabhakara (2) Gautama
(3) Vasubandhu (4) Kapil
(5) Question not attempted

9. निम्नलिखित में से किन सम्प्रदायों की यह मान्यता है कि प्रयोजन पूरकता ज्ञान की प्रमाणिकता है ?

(1) वेदान्त और न्याय

(2) वेदान्त और मीमांसा

(3) जैन आर बौद्ध

(4) बौद्ध और न्याय

(5) अनुत्तरित प्रश्न

10. किसी परोक्ष विषय की ऐसी आवश्यक कल्पना, जिसके द्वारा विरोधी विषय को समझा जा सकता है, कहलाता है

(1) अनुपलब्धि

(2) अर्थापत्ति

(3) उपमान

(4) प्रत्यक्ष

(5) अनुत्तरित प्रश्न

11. प्रत्यक्ष की 'इन्द्रियार्थ संनिकर्षोत्पन्नं .....' परिभाषा निम्न की व्याख्या करने में असमर्थ है :

(1) सामान्यलक्षण प्रत्यक्ष

(2) ज्ञानलक्षण प्रत्यक्ष

(3) योगज प्रत्यक्ष

(4) निर्विकल्पक प्रत्यक्ष

(5) अनुत्तरित प्रश्न

12. अनाधिगतार्थगंतृत्त्व के न होने से मीमांसा में अप्रमा का निम्न प्रकार एक अप्रमा है :

(1) विपर्यय (2) स्मृति

(3) तर्क (4) संशय

(5) अनुत्तरित प्रश्न

9. Which of the following systems asserts that the validity of knowledge depends upon success in practical activity ?

(1) Vedanta and Nyaya

(2) Vedanta and Mimamsa

(3) Jainism and Buddhism

(4) Buddhism and Nyaya

(5) Question not attempted

10. Necessary supposition of an unperceived fact to explain some conflicting phenomena is called –

(1) anuplabdhi

(2) arthapatti

(3) upmana

(4) prataksha

(5) Question not attempted

11. 'Indriyārtha-sannikarṣotpannam...' definition of pratyakṣa failed to account for :

(1) Sāmānyalakṣaṇa pratyakṣa

(2) Jñānalakṣaṇa pratyakṣa

(3) Yogaja pratyakṣa

(4) Nirvikalpaka pratyakṣa

(5) Question not attempted

12. The following type of apramā in Mīmāṁsā is a case of apramā, since it lacks anādhigatārthagantṛttva :

(1) Viparyaya (2) Smṛti

(3) Tarka (4) Samśaya

(5) Question not attempted

13. निम्नलिखित में से कौन से दार्शनिक अनुपलब्धि को प्रमाण मानते हैं ?
(1) भट्ट और शंकर
(2) प्रभाकर और शंकर
(3) शंकर और कपिल
(4) भट्ट और कणाद
(5) अनुत्तरित प्रश्न

14. ज्ञान सम्बन्धी बौद्ध मत के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिये :
(a) बौद्ध स्वप्रकाशवाद को मानते हैं ।
(b) बौद्ध क्षणिकवाद को स्वीकार करते हैं ।
निम्न कूट का प्रयोग करके सही विकल्प का चयन कीजिए :
(1) केवल (a) सही है ।
(2) केवल (b) सही है ।
(3) (a) तथा (b) दोनों सही हैं तथा (b), (a) की सही व्याख्या करता है ।
(4) (a) तथा (b) दोनों सही हैं, लेकिन (b), (a) की सही व्याख्या नहीं करता ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

15. प्रमाण सम्बन्धी बौद्ध मत के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिये :
(a) बौद्ध प्रमाण सम्प्लव को अस्वीकार करते हैं ।
(b) बौद्ध स्वलक्षण तथा सामान्यलक्षण में आत्यंतिक भेद करते हैं ।
निम्न कूट का प्रयोग करके सही विकल्प का चयन कीजिये :
(1) केवल (a) सही है ।
(2) केवल (b) सही है ।
(3) (a) तथा (b) दोनों सही हैं तथा (b), (a) की सही व्याख्या करता है ।
(4) (a) तथा (b) दोनों सही हैं, लेकिन (b), (a) की सही व्याख्या नहीं करता ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

13. Which of the following philosophers admit that anuplabdhi is a valid source of knowledge ?
(1) Bhatt and Shankara
(2) Prabhakara and Shankara
(3) Shankara and Kapil
(4) Bhatt and Kanad
(5) Question not attempted

14. Consider the following statements and Buddhist view of knowledge :
(a) Buddhist believes in swa-prakāśavāda
(b) Buddhists accept Kṣaṇikavāda
Select the correct answer choosing the codes below :
(1) Only (a) is correct.
(2) Only (b) is correct
(3) Both (a) and (b) are correct and (b) is a correct explanation of (a).
(4) (a) and (b) are individually correct but (b) is not a correct explanation of (a).
(5) Question not attempted

15. Consider the following statements about Buddhist view of pramāṇa :
(a) Buddhists do not accept pramāṇa-samplava.
(b) Buddhists maintain a strict dichotomy between swalakṣaṇa and sāmānyalakṣaṇa.
Select the correct answer choosing the codes below :
(1) Only (a) is correct.
(2) Only (b) is correct
(3) Both (a) and (b) are correct and (b) is a correct explanation of (a).
(4) (a) and (b) are individually correct but (b) is not a correct explanation of (a).
(5) Question not attempted

16. तत्-त्वं-असि का अर्थ बोध होता है निम्न से :

(1) जहत्-लक्षणा

(2) अजहत्-लक्षणा

(3) जहदजहल्लक्षणा

(4) अभिधा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

17. सुमेलित करें :

i.	अख्यातिवाद	A.	रामानुज
ii.	सत्ख्यातिवाद	B.	प्रभाकर
iii.	विपरीतख्यातिवाद	C.	न्याय
iv.	अन्यथाख्यातिवाद	D.	कुमारिल

सही विकल्प का चयन करें :

	i	ii	iii	iv
(1)	B	A	D	C
(2)	A	B	C	D
(3)	A	C	D	B
(4)	B	A	C	D

(5) अनुत्तरित प्रश्न

18. शंकर ने अन्य ख्याति सिद्धांतों का खंडन निम्न में किया है :

(1) चतुःसूत्री

(2) अध्यास-भाष्य

(3) जिज्ञासा-भाष्य

(4) परिभाषा-भाष्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

19. भ्रम की व्याख्या हेतु अलौकिक प्रत्यक्ष का प्रयोग किस दर्शन ने किया है ?

(1) भट्ट (2) प्रभाकर

(3) नैयायिक (4) वेदांती

(5) अनुत्तरित प्रश्न

16. The meaning of tat-tvam-asi is known through :

(1) Jahat-lakṣaṇā

(2) Ajahat-lakṣaṇā

(3) Jahadajahallakṣaṇā

(4) Abhidhā

(5) Question not attempted

17. Match up :

i.	Akhyātivada	A.	Ramanuja
ii.	Satkhyativada	B.	Prabhākara
iii.	Vipritakhyativada	C.	Nyaya
iv.	Anyathakhyativada	D.	Kumarila

Select the correct option :

	i	ii	iii	iv
(1)	B	A	D	C
(2)	A	B	C	D
(3)	A	C	D	B
(4)	B	A	C	D

(5) Question not attempted

18. Śaṁkara refutes other khyāti theories in :

(1) Catuḥ-sūtrī

(2) Adhyās-bhāṣya

(3) Jijñānsā-bhāṣya

(4) Paribhāṣā-bhāṣya

(5) Question not attempted

19. Who used Alaukika pratyakṣa to explain error ?

(1) Bhāṭṭa-s

(2) Prābhākar-s

(3) Naiyāyika-s

(4) Vedāntin-s

(5) Question not attempted

20. निम्नलिखित में से किसकी यह मान्यता है कि ज्ञान की वैधता और अवैधता दोनों बाह्य कारणों पर निर्भर होती है ?
(1) मीमांसा (2) न्याय
(3) बौद्ध (4) वेदान्त
(5) अनुत्तरित प्रश्न

21. भेदाग्रह विपर्यय का कारण है निम्न ख्याति सिद्धांत में :
(1) अख्याति (2) अन्यथाख्याति
(3) विपरीतख्याति (4) सत्ख्याति
(5) अनुत्तरित प्रश्न

22. शब्द प्रमाण को निम्न सभी स्वीकार करते हैं, सिवाय :
(1) योग (2) न्याय
(3) वैशेषिक (4) मीमांसा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

23. जयन्त भट्ट के द्वारा बताए गए 'प्रमाण' के लक्षणों में निम्न में से कौन सा लक्षण सम्मिलित नहीं है ?
(1) स्व-प्रकाशता
(2) अर्थोत्पन्नता
(3) अव्यभिचारिता
(4) व्यवसायात्मकता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

24. "अभिहितान्वयवाद" को स्पष्ट करने वाला सही विकल्प है :
(1) वाक्य, शब्दों से भिन्न अर्थ का ज्ञान कराता है।
(2) वाक्य, नये अर्थ का ज्ञान न करवाकर प्रयुक्त शब्दों के अर्थ का ही ज्ञान कराता है।
(3) क्रिया ही वाक्य का प्रमुख प्रयोजन होता है।
(4) पहले वाक्य का ज्ञान होता है, तत्पश्चात् शब्दों का ज्ञान होता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

20. Which one of the following states that both validity and invalidity of knowledge depend on external conditions ?
(1) Mimamsa (2) Nyaya
(3) Bauddha (4) Vedanta
(5) Question not attempted

21. Bhedāgraha is the reason of error in which theory ?
(1) Akhyāti
(2) Anyathākhyāti
(3) Viparītakhyāti
(4) Satkhyāti
(5) Question not attempted

22. Śabda-pramāṇa is accepted by all, except :
(1) Yoga (2) Nyāya
(3) Vaiśeṣika (4) Mīmāṁsā
(5) Question not attempted

23. Which of the following feature is not included in the features of 'Pramana' mentioned by Jayant Bhatt ?
(1) Self-Luminous (Swaprakāśatā)
(2) Arthotpannta
(3) Aavaybhicharita
(4) Vayavsayatmakta
(5) Question not attempted

24. The correct option that explains the "Abhihitānvayavāda" is :
(1) Sentence, conveys meaning different from words.
(2) The sentence does not provide knowledge of new meaning but only gives knowledge of the meaning of the used words.
(3) Function is the main purpose of the sentence
(4) Firstly sentence is known after that words are known
(5) Question not attempted

25. चार्वाक दर्शन के अनुसार 'शब्द' अप्रामाणिक है, इस मत की पुष्टि में चार्वाक द्वारा दिए गए तर्कों में सम्मिलित है :

(a) सत्य ज्ञान देना शब्द का स्वाभाविक गुण नहीं है।

(b) शब्द-अनुमान पर आधारित है।

(c) 'आप्त-पुरुष' को पहचानने का कोई आधार नहीं है।

(d) प्रत्यक्ष से पारलौकिक वस्तुओं का ज्ञान हो जाता है।

(1) (a), (b) व (c) सही हैं।

(2) (b), (c) व (d) सही हैं।

(3) (a), (b) व (d) सही हैं।

(4) (a), (b), (c) व (d) सही हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

26. वाक्यार्थ पर प्रभाकर के मत से निम्न असंगत है

(1) वाक्य अर्थ की इकाई है।

(2) वाक्य सावयव होते हैं।

(3) किसी भी वाक्य के शब्द अपने निजी और सामूहिक दोनों अर्थ प्रकट करते हैं।

(4) शब्दार्थों का समन्वय अंतिम शब्द के उच्चारण के उपरांत होता है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

27. वाक्य में शब्दों की पारस्परिक प्रतिपन्नता को कहते हैं

(1) आकांक्षा (2) योग्यता

(3) सन्निधि (4) तात्पर्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

25. According to Charāvāka philosophy 'Shabda' is inauthentic, the arguments given by Charāvāka in support of this opinion include :

(a) Giving true knowledge is not the natural quality of the Shabda.

(b) The Shabda is based on inference.

(c) There is no basis for Judging a 'Aapta Purusha' (Trustworthy Person).

(d) Perception yields knowledge of transcendental objects.

(1) (a), (b) and (c) are correct

(2) (b), (c) and (d) are correct

(3) (a), (b) and (d) are correct

(4) (a), (b), (c) and (d) are correct

(5) Question not attempted

26. The following is inconsistent with Prabhākar's views on vākyārtha :

(1) Sentence is the unit of meaning.

(2) Sentences are organic.

(3) Word in a sentence expresses. its own as well as the collective meaning.

(4) The word-meanings are harmonized when the last word is uttered out.

(5) Question not attempted

27. The mutual expectancy of words in a sentence is :

(1) Akāṅkṣā

(2) Yogyatā

(3) Sannidhi

(4) Tātparya

(5) Question not attempted

28. निम्नलिखित में से किस दार्शनिक की यह मान्यता है कि शब्द व वस्तु के मध्य संबंध परम्पराजन्य है जो ईश्वर की इच्छा द्वारा स्थापित है ?

(1) शंकर (2) कपिल

(3) रामानुज (4) गौतम

(5) अनुत्तरित प्रश्न

29. न्याय द्वारा अनुपलब्धि को किस प्रमाण में अंतर्भूत किया गया है ?

(1) अनुमान (2) प्रत्यक्ष

(3) उपमान (4) शब्द

(5) अनुत्तरित प्रश्न

30. प्रभाकर के 'अख्यातिवाद' के विषय में निम्न में से कौन सा विचार असत्य है ?

(1) अयथार्थ ज्ञान के रूप में भ्रम संभव नहीं है।

(2) जिसे हम भ्रम कहते हैं वह अपूर्ण ज्ञान है।

(3) भ्रम दो आंशिक प्रत्यक्ष ज्ञानों और उनके विषयों में परस्पर भेद को ग्रहण करना है।

(4) भ्रम में दो भिन्न संज्ञान होते हैं, जिनके दो अलग-अलग विषय होते हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

31. स्फोट के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिये :

(a) स्फोट ध्वनि है।

(b) स्फोट नित्य शब्द है।

(c) स्फोट शब्द-ब्रह्म है।

निम्न कूट का प्रयोग करके सही विकल्प का चयन कीजिये :

(1) (a) तथा (c) सही हैं।

(2) (b) तथा (c) सही हैं।

(3) केवल (b) सही है।

(4) (a), (b) तथा (c) सही हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

28. Which one of the following philosophers holds the view that the connection between words and objects is conventional, being established by the will of God ?

(1) Shankara (2) Kapila

(3) Ramanuja (4) Gautama

(5) Question not attempted

29. Anuplabdhi is reduced into which pramāṇa by Nyāya ?

(1) Anumāna (2) Pratyakṣa

(3) Upamāna (4) Śabda

(5) Question not attempted

30. Which of the following views about Prabhakar's 'Akhaytivada' is false ?

(1) Illusion is not possible in the form of unreal knowledge.

(2) What we call illusion is incomplete knowledge.

(3) Illusion is assuming a mutual difference between two partial perceptions and their objects.

(4) Illusion consists of two different cognitions which have two different objects.

(5) Question not attempted

31. Consider the following statements about Sphota :

(a) Sphota is a sound

(b) Sphota is eternal word

(c) Sphota is Śabda-Brahma

Select the correct answer choosing the codes below :

(1) (a) & (c) are correct.

(2) (b) & (c) are correct.

(3) Only (b) is correct.

(4) (a), (b) & (c) are correct.

(5) Question not attempted

32. गंगेश ने सव्यभिचार हेत्वाभास के कौन से भेद किये हैं ?

(1) साधारण हेत्वाभास, असाधारण हेत्वाभास एवं अतिसाधारण हेत्वाभास

(2) असाधारण हेत्वाभास, अतिसाधारण हेत्वाभास एवं अनुपसंहारी हेत्वाभास

(3) साधारण हेत्वाभास, असाधारण हेत्वाभास एवं अनुपसंहारी हेत्वाभास

(4) साधारण हेत्वाभास, अनुपसंहारी हेत्वाभास एवं असिद्ध हेत्वाभास

(5) अनुत्तरित प्रश्न

33. परामर्श का अर्थ है

(1) पक्षधर्मता का ज्ञान

(2) अनुमिति

(3) व्याप्ति ज्ञान

(4) व्याप्ति-विशिष्ट पक्षधर्मता ज्ञान

(5) अनुत्तरित प्रश्न

34. सौत्रान्तिक के प्रमाण मत के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिये :

(a) बाह्य जगत के ज्ञान के साधन के रूप में सौत्रान्तिक केवल अनुमान को मानते हैं ।

(b) सौत्रान्तिक के अनुसार इस बिंदु पर वैभाषिक मत का समन्वय क्षणिकता से नहीं किया जा सकता ।

निम्न कूट का प्रयोग करके सही विकल्प का चयन कीजिये :

(1) केवल (a) सही है ।

(2) केवल (b) सही है ।

(3) (a) तथा (b) दोनों सही हैं तथा (b), (a) की सही व्याख्या करता है ।

(4) (a) तथा (b) दोनों सही हैं, लेकिन (b), (a) की सही व्याख्या नहीं करता ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

32. What types of Savayabhichari Hetvābhāsa has been made by 'Gangesh' ?

(1) Sadharana Hetvābhāsa, Asadharana Hetvābhāsa and Atisadharana Hetvābhāsa

(2) Asadharana Hetvābhāsa, Atisadharana Hetvābhāsa and Anupsanhari Hetvābhāsa

(3) Sadharana Hetvābhāsa Asadharana Hetvābhāsa and Anupsanhari Hetvābhāsa

(4) Sadharana Hetvābhāsa, Anupsanhari Hetvābhāsa and Assidha Hetvābhāsa

(5) Question not attempted

33. The term parāmarśa means :

(1) Knowledge of pakṣadharmatā

(2) Anumiti

(3) Knowledge of Vyāpti

(4) Knowledge of pakṣadharmatā qualified with vyāpti

(5) Question not attempted

34. Consider the following statements about Sautrāntika view of prāmaṇa :

(a) Sautrāntika only accept inference as source of knowledge concerning external world

(b) For Sautrāntika the Vaibhāṣika position on this cannot be conciliated with momentariness.

Select the correct answer choosing the codes below :

(1) Only (a) is correct.

(2) Only (b) is correct.

(3) Both (a) and (b) are correct and (b) is a correct explanation of (a).

(4) (a) and (b) are individually correct but (b) is not a correct explanation of (a).

(5) Question not attempted

35. ध्वनि की नित्यत्व सिद्धि में ध्वनि का उत्पन्नधर्मा होना सद्हेतु के किस लक्षण का उल्लंघन होगा ?
(1) अबाधित
(2) अविरुद्ध
(3) पक्षधर्मता
(4) विपक्षासत्त्व
(5) अनुत्तरित प्रश्न

36. 'असिद्ध' हेत्वाभास की सही परिभाषा करने वाला वाक्य है
(1) जब हेतु का ही अस्तित्व असिद्ध हो ।
(2) जब किसी हेतु द्वारा प्रमाणित निष्कर्ष किसी अन्य प्रमाण से बाधित हो जाये ।
(3) जहाँ किसी हेतु का प्रतिपक्षी हेतु विद्यमान हो ।
(4) जब हेतु का अस्तित्व स्वयं सिद्ध हो ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

37. बौद्ध द्वारा तदुत्पत्ति पर आधारित व्याप्ति ज्ञान की विधि है –
(1) पञ्चकारणी विधि
(2) सामान्यलक्षण प्रत्यासत्ति
(3) तर्क
(4) साधारण परिगणना
(5) अनुत्तरित प्रश्न

38. सभी ज्ञेय अभिधेय हैं;
घट ज्ञेय है;
अत: घट अभिधेय है ।
नव्य–न्याय के अनुसार इस अनुमान को कहते हैं –
(1) केवल अन्वयी
(2) केवल अव्यतिरेकी
(3) अन्वयव्यतिरेकी
(4) इनमें से कोई नहीं
(5) अनुत्तरित प्रश्न

35. Being-caused of sound will violate which sad-hetu lakṣaṇa when establishing the eternity of sound ?
(1) Abādhita
(2) Aviruddha
(3) Pakṣadharmatā
(4) Vipakṣāsattva
(5) Question not attempted

36. The sentence that gives the correct definition of 'Asiddha' Hetvabhasa is :
(1) When the existence of the hetu itself is unproved.
(2) The conclusion proved by some hetu is hampered by any other pramanas.
(3) Where any hetu has an opposing hetu.
(4) When the existence of the hetu is self-evident.
(5) Question not attempted

37. The method of Buddhists for ascertaining knowledge of Vyāpti based on tadutpatti is :
(1) Pañcakāraṇī vidhi
(2) Samanyalakṣaṇa Pratyāsatti
(3) Tarka
(4) Simple enumeration
(5) Question not attempted

38. All knowable objects are nameable :
The pot is a knowable object;
Therefore the pot is nameable
According to navya-nyāya this inference is called –
(1) keval anvayi
(2) keval avyatireki
(3) anvayavyatireki
(4) None of these
(5) Question not attempted

39. हेत्वाभास के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिये :

(a) ये सभी आकारिक तर्कदोष के प्रकार हैं ।

(b) ये सद्हेतु के लक्षणों के उच्छेद से घटित होते हैं ।

निम्न कूट का प्रयोग करके सही विकल्प का चयन कीजिये :

(1) केवल (a) सही है ।

(2) केवल (b) सही है ।

(3) (a) तथा (b) दोनों सही हैं तथा (b), (a) की सही व्याख्या करता है ।

(4) (a) तथा (b) दोनों सही हैं, लेकिन (b), (a) की सही व्याख्या नहीं करता ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

40. निम्न आचार्य नव्य-न्याय धारा से सम्बंधित हैं :

(1) उद्योतकर

(2) वाचस्पति

(3) जयंत भट्ट

(4) गदाधर भट्टाचार्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

41. जैन दर्शन के अनुसार हेतु का अनिवार्य लक्षण है

(1) त्रिरूप

(2) पंचरूप

(3) अन्यथानुपपन्नत्व

(4) इनमें से कोई नहीं

(5) अनुत्तरित प्रश्न

42. निम्नलिखित में से कौन से अनुमान कारणता पर आधारित हैं ?

(1) पूर्ववत् और सामान्यतोदृष्ट

(2) पूर्ववत् और शेषवत्

(3) शेषवत् और सामान्यतोदृष्ट

(4) इनमें से कोई नहीं

(5) अनुत्तरित प्रश्न

39. Consider the following statements about hetvābhāsa :

(a) All of these are types of formal fallacies

(b) They occur on violation of sad-hetu-lakṣaṇa

Select the correct answer choosing the codes below :

(1) Only (a) is correct.

(2) Only (b) is correct.

(3) Both (a) and (b) are correct and (b) is a correct explanation of (a).

(4) (a) and (b) are individually correct but (b) is not a correct explanation of (a).

(5) Question not attempted

40. The underneath ācārya is related to Navya-Nyāya school :

(1) Udyotkar

(2) Vācaspati

(3) Jayanta Bhaṭṭ

(4) Gadādhara Bhaṭṭācārya

(5) Question not attempted

41. According to Jainism, the ncessary feature of Hetu is –

(1) Trirupey

(2) Panchrupey

(3) Anyathānupapannatva

(4) None of these

(5) Question not attempted

42. Which among the following inferences are based on causation ?

(1) Purvavat and Samanytodrsta

(2) Purvavat and Shesvat

(3) Shesvat and Samanyotodrsta

(4) None of these

(5) Question not attempted

43. ध्वनि शाश्वत है क्योंकि वह श्रव्य है, इसमें कौन सा हेत्वाभास है ?

(1) साधारण

(2) असाधारण

(3) अनुपसंहारी

(4) बाधित

(5) अनुत्तरित प्रश्न

44. आकाश-कमल सुगंधित है, क्योंकि आकाश कमल है, एक उदाहरण है

(1) असिद्ध हेत्वाभास

(2) विरुद्ध हेत्वाभास

(3) बाधित हेत्वाभास

(4) सव्यभिचार हेत्वाभास

(5) अनुत्तरित प्रश्न

45. किसी एक सहभावी तत्व से अन्य सहभावी तत्व को अनुमित करना, निम्न प्रकार का अनुमान है :

(1) पूर्ववत्

(2) शेषवत्

(3) सामान्यतोदृष्ट

(4) परार्थ

(5) अनुत्तरित प्रश्न

46. बौद्ध दर्शन के अनुसार व्याप्ति संबंध का आधार है

(1) तादात्म्य और कारणता सम्बन्ध

(2) तर्क

(3) उपाधिनिरास

(4) सामान्यलक्षण प्रत्यक्षण

(5) अनुत्तरित प्रश्न

43. Sound is eternal because it is audible involves which hetvābhāsa ?

(1) Sādhāraṇa

(2) Asādhāraṇa

(3) Anupasaṁhāri

(4) Bādhita

(5) Question not attempted

44. The sky-lotus is fragrant because it has lotusness in it is an instance of :

(1) Asiddha hetvabhasa

(2) Viruddha hetvabhasa

(3) Badhita hetvabhasa

(4) Savyabhicāra hetvabhasa

(5) Question not attempted

45. Inferring a co-existent element from another is example of the following type of anumāna :

(1) Pūrvavat

(2) Śeṣavat

(3) Sāmānaytodṛṣṭa

(4) Parārtha

(5) Question not attempted

46. According to Buddhism the foundation of Vyapti relation is :

(1) Identity and Causality

(2) Tarka

(3) Upadhinirasa

(4) Samanyalaksana perception

(5) Question not attempted

47. व्याप्ति का कथन पञ्चावयव के किस अवयव में रहता है ?

(1) हेतु (2) उदाहरण

(3) उपनय (4) निगमन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

48. केवलान्वयी, केवलव्यतिरेकी, अन्वय-व्यतिरेकी का भेद आधारित है किस पर ?

(1) हेतु तथा प्रतिज्ञा के क्रम पर

(2) व्याप्ति तथा व्याप्तिग्रह के स्वरूप पर

(3) अवयव के स्वरूप पर

(4) अनुमान के प्रयोजन पर

(5) अनुत्तरित प्रश्न

49. योग दर्शन में सर्वज्ञता का आश्रय क्या है ?

(1) ईश्वर और सम्प्रज्ञात समाधि

(2) ईश्वर, सम्प्रज्ञात समाधि और असम्प्रज्ञात समाधि

(3) ईश्वर और असम्प्रज्ञात समाधि

(4) केवल ईश्वर

(5) अनुत्तरित प्रश्न

50. विषम व्याप्ति की सही व्याख्या है –

(1) इसमें हेतु और साध्य दोनों का एक-दूसरे के साथ नियत साहचर्य होता है ।

(2) अभिधेय व प्रमेय के बीच जो संबंध है वह विषय व्याप्ति का उदाहरण है ।

(3) विषम व्याप्ति में दो वस्तुओं के बीच अनियत साहचर्य होता है ।

(4) इसमें सिर्फ हेतु का साध्य के साथ नियत साहचर्य रहता है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

47. The statement of vyapti is contained in the following component of pañcāvayava :

(1) Hetu (2) Udāharaṇa

(3) Upanaya (4) Nigamana

(5) Question not attempted

48. The distinctions of kevalānvayī, kevalavyatirekī and anvayavyatirekī is based on :

(1) Order of hetu and pratijñā

(2) Nature of vyāpti and vyāptigraha

(3) Nature of avayava

(4) Purpose of anumāna

(5) Question not attempted

49. What is the locus or loci of omniscience in the Yoga Philosophy ?

(1) God and the Samprajñāta Samādhi

(2) God, Samprajñāta Samādhi and Asamprajñāta Samādhi

(3) God and Asamprajñāta Samādhi

(4) Only God

(5) Question not attempted

50. The correct explanation of 'Visham Vyapti' is :

(1) In this, both Hetu and Sadhya have invariable co-existence with each other.

(2) The relationship between the Prameya and Abhidheya is an example of Visham Vyapti.

(3) In Visham Vyapti there is an undecided co-existence between two objects.

(4) In this only the Hetu has an invariable co-existence with the Sadhya.

(5) Question not attempted

51. पुरुषार्थ सम्बन्धी वेदांत मत के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिये :

(a) वेदांत परिभाषा में मोक्ष परम पुरुषार्थ है ।

(b) जबकि समस्त अन्य तीन पुरुषार्थ अस्थायी हैं, मोक्ष नित्य है ।

निम्न कूट का प्रयोग करके सही विकल्प का चयन कीजिये :

(1) केवल (a) सही है ।

(2) केवल (b) सही है ।

(3) (a) तथा (b) दोनों सही हैं तथा (b), (a) की सही व्याख्या करता है ।

(4) (a) तथा (b) दोनों स्वतंत्र रूप से सही हैं, लेकिन (b), (a) की सही व्याख्या नहीं करता ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

52. कर्म सम्बन्धी जैन मत के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिये :

(a) आश्रव, संवर, निर्जर, सभी दो प्रकार के हैं ।

(b) जैन दो प्रकार के कर्म मानते हैं : भावकर्म तथा द्रव्यकर्म ।

निम्न कूट का प्रयोग करके सही विकल्प का चयन कीजिये :

(1) केवल (a) सही है ।

(2) केवल (b) सही है ।

(3) (a) तथा (b) दोनों सही हैं तथा (b), (a) की सही व्याख्या करता है ।

(4) (a) तथा (b) दोनों स्वतंत्र रूप से सही हैं, लेकिन (b), (a) की सही व्याख्या नहीं करता ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

53. "किसी भी कर्म का वेदविहित होना ही नैतिकता की अंतिम कसौटी है ।" यह कथन किस दर्शन से सम्बन्धित है ?

(1) मीमांसा-दर्शन (2) सांख्य-दर्शन

(3) न्याय-दर्शन (4) वैशेषिक-दर्शन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

51. Consider the following statements about the conception of puruṣārtha in Vedānta :

(a) Mokṣa is the supreme Puruṣ ārtha in Vedanta-Paribhāṣā

(b) While all other three puruṣ ārtha-s are temporal, Mokṣa is permanent

Select the correct answer choosing the codes below :

(1) Only (a) is correct.

(2) Only (b) is correct.

(3) Both (a) and (b) are correct and (b) is a correct explanation of (a).

(4) (a) and (b) are individually correct but (b) is not a correct explanation of (a).

(5) Question not attempted

52. Consider the following statements about Jain conception of Karma :

(a) Āsrava, Saṁvara, Nirjarā, each are of two types.

(b) Jain maintain a two fold distinction in Karma : Bhāvakarma and Dravyakarma

Select the correct answer choosing the codes below :

(1) Only (a) is correct.

(2) Only (b) is correct.

(3) Both (a) and (b) are correct and (b) is a correct explanation of (a).

(4) (a) and (b) are individually correct but (b) is not a correct explanation of (a).

(5) Question not attempted

53. "The ultimate criterion of morality is that any action is moral if it is prescribed by the Vedas." This statement is related to which philosophy ?

(1) Mimamsa philosophy

(2) Sankhya philosophy

(3) Nyaya philosophy

(4) Vaishesika philosophy

(5) Question not attempted

54. ऋण सम्बन्धी धारणा के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिये :

(a) ऋण की धारणा ऋग्वेद में पाई जाती है ।

(b) आनृण्य भारतीय मूल्यमीमांसा में आदर्श रहा है ।

निम्न कूट का प्रयोग करके सही विकल्प का चयन कीजिये :

(1) केवल (a) सही है ।

(2) केवल (b) सही है ।

(3) (a) तथा (b) दोनों सही हैं तथा (b), (a) की सही व्याख्या करता है ।

(4) (a) तथा (b) दोनों स्वतंत्र रूप से सही हैं, लेकिन (b), (a) की सही व्याख्या नहीं करता ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

55. गीता के अनुसार, नैष्कर्म्य कोई संभव विकल्प नहीं है, एक क्षण के लिये भी जब तक हम जीवित हैं, क्योंकि

(1) प्रकृति के गुण के कारण

(2) दैवी इच्छा के कारण

(3) करुणा के कारण

(4) कर्म न करना कायरतापूर्ण है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

56. वह कोटि क्या है जिसमें योगक्षेम की अवधारणा समाहित होती है ?

(1) प्रेयस् की कोटि

(2) श्रेयस् की कोटि

(3) कर्मयोग की कोटि

(4) ज्ञानयोग की कोटि

(5) अनुत्तरित प्रश्न

57. वर्ण-धर्म के विषय में निम्न सही नहीं है :

(1) यह सार्वभौम है ।

(2) यह आश्रम-धर्म से भिन्न है ।

(3) यह नैतिक रूप से बाध्यकारी है ।

(4) यह समाज के धारण (पुष्टि) के लिये आवश्यक है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

54. Consider the following statements about the conception of Ṛṇa :

(a) The notion of Ṛṇa is found in Ṛgveda.

(b) Ānṛṇya is an ideal in Indian ethics.

Select the correct answer choosing the codes below :

(1) Only (a) is correct.

(2) Only (b) is correct.

(3) Both (a) and (b) are correct and (b) is a correct explanation of (a).

(4) (a) and (b) are individually correct but (b) is not a correct explanation of (a).

(5) Question not attempted

55. Naiṣkarmaya is not a feasible alternative until we are alive even for a second, as per Gītā, because :

(1) Due to the guṇa of Prakṛti

(2) Due to Divine Will

(3) Due to compassion

(4) Because it is cowardly not to act

(5) Question not attempted

56. What is the category to which does the concept Yogakshema belong ?

(1) The category of Preyas.

(2) The category of Shreyas.

(3) The category of Karmayoga.

(4) The category of Jnanayoga.

(5) Question not attempted

57. The following is incorrect about Varṇa-Dharma :

(1) It is universal.

(2) It is different to Āśrama – Dharma.

(3) It is ethically binding.

(4) It is necessary for sustenance of society.

(5) Question not attempted

58. कौन सा भारतीय दर्शन यह तर्कतः फलित करता है कि आत्मा की मोक्षावस्था आत्मा की अचेतनावस्था होती है ?

(1) चार्वाक दर्शन

(2) बौद्ध दर्शन

(3) वैशेषिक दर्शन

(4) सांख्य दर्शन

(5) अनुत्तरित प्रश्न

59. कौन सा सुमेलित नहीं है ?

(1) जैन नीतिशास्त्र–विशुद्धिमग्गो

(2) त्रिरत्न–तत्त्वार्थसूत्र

(3) योगक्षेम–भगवद्गीता

(4) ऋत–ऋग्वेद

(5) अनुत्तरित प्रश्न

60. जैन दर्शन में स्थिति बंध और अनुभाग बंध का कारण या के कारण क्या है या क्या हैं ?

स्थिति बंध का कारण	अनुभाग बंध का कारण
(1) योग (क्रिया)	कषाय (आवेश)
(2) कषाय	योग
(3) कषाय	कषाय
(4) योग	योग

(5) अनुत्तरित प्रश्न

61. गीता के अनुसार, लोक में वह कौन योगी है जो समस्त लोकसंग्रह के भार से मुक्त है ?

(1) कर्मयोगी

(2) स्थितप्रज्ञ

(3) भक्तयोगी

(4) आत्मलीन योगी या गुणातीत

(5) अनुत्तरित प्रश्न

58. Which Indian Philosophy does logically entail that the state of liberation (moksha) of soul is an unconscious state of soul ?

(1) Chārvāka Philosophy

(2) Buddhist Philosophy

(3) Vaishesika Philosophy

(4) Saṁkhya Philosophy

(5) Question not attempted

59. Which one is incorrectly matched ?

(1) Jain Ehics-Viśuddhimaggo

(2) Triratna-Tattvāratha-sūtra

(3) Yoga-kṣema-Bhagawadgītā

(4) Ṛta-Ṛgveda

(5) Question not attempted

60. What is the cause or are the causes of the Sthiti bandha and Anubhaga bandha in Jainism ?

Cause of Sthiti bandha	Cause of Anubhaga bandha
(1) Yoga (Activity)	Kashaya (Passions)
(2) Kashaya	Yoga
(3) Kashaya	Kashaya
(4) Yoga	Yoga

(5) Question not attempted

61. Who is that yogi who is burdenless of all lokasangraha in the world according to the Gīta ?

(1) Karma yogi

(2) Sthitaprajña

(3) Bhaktayogi

(4) Ātma-līna-yogi or Guṇātīta

(5) Question not attempted

62. राजस्थान के निम्न दार्शनिक द्वारा वैशेषिक दर्शन पर टीका करते हुए कर्मवाद के नियम में महत्त्वपूर्ण संशोधन प्रस्तावित किये गए हैं :

(1) पी.टी. राजू

(2) बिश्वम्भर पाहि

(3) मुकुंद लाठ

(4) यशदेव शल्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

63. कौन से सुमेलित नहीं है ?

(1) सम्यक् संकल्प-संस्कार

(2) सम्यक् स्मृति-तृष्णा तथा उपादान

(3) सम्यक् दृष्टि-अविद्या

(4) सम्यक् अजीव-विज्ञान

(5) अनुत्तरित प्रश्न

64. जैन दर्शन में जीव के पारिणामिक भाव का लक्षण क्या है ?

(1) जो कर्म के उदय से उत्पन्न हो ।

(2) जो कर्म के क्षय से उत्पन्न हो ।

(3) जो कर्म के उपशम से उत्पन्न हो ।

(4) जो कर्म से अनिर्धारित हो ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

65. ऋत के विषय में निम्न सत्य नहीं है :

(1) ऋत का मार्ग सदाचार का मार्ग है ।

(2) ऋत कर्म के नियम का आद्य रूप है ।

(3) देवता भी ऋत से उत्पन्न हैं ।

(4) ऋत सन्दर्भ-सापेक्ष है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

62. The underneath philosopher from Rajasthan has suggested important changes in Law of Karma in his commentary on Vaiśeṣika philosophy :

(1) P.T. Raju

(2) Biswambhar Pahi

(3) Mukund Lath

(4) Yashdeva Shalya

(5) Question not attempted

63. Which one is incorrectly paired ?

(1) Samyak Saṅkalpa – Saṁskāra

(2) Samyak Smṛiti – Tṛṣṇā and Upādāna

(3) Samyak Dṛṣṭi – Avidyā

(4) Samyak Ajīva – Vijñāna

(5) Question not attempted

64. What is the characteristic of the Pāriṇāmika state of Jiva in Jainism ?

(1) That which is caused by the rise of the Karma.

(2) That which is caused by the annihilation of the Karma.

(3) That which is caused by the suppression of the Karma.

(4) That which is unconditioned by Karma.

(5) Question not attempted

65. The following is not true about Ṛta :

(1) The way of Ṛta is the way of good conduct.

(2) Ṛta is the prototype of law of Karma.

(3) Devta-s were born out of Ṛta.

(4) Ṛta is context sensitive.

(5) Question not attempted

66. हिन्दू धर्मशास्त्रों के अनुसार चार पुरुषार्थों का चार वर्णों में आवंटन क्या है ?

	ब्राह्मण	क्षत्रिय	वैश्य	शूद्र
(1)	धर्म	अर्थ	काम	मोक्ष
(2)	धर्म	मोक्ष	अर्थ	काम
(3)	मोक्ष	धर्म	अर्थ	काम
(4)	मोक्ष	मोक्ष	मोक्ष	मोक्ष

(5) अनुत्तरित प्रश्न

67. यास्क के अनुसार, "ऋत" पद का अर्थ क्या नहीं है ?

(1) सत्य
(2) यज्ञ
(3) अग्नि
(4) जल
(5) अनुत्तरित प्रश्न

68. बौद्धों के अष्टांग मार्ग के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिये :

(a) सम्यक वाक्-कर्मान्त-अजीव के लिये दशशील की पालना अनिवार्य है ।
(b) त्रि-शिक्षा है शील-समाधि-प्रज्ञा
(c) अनुपश्यना सम्यक-दृष्टि से सम्बन्धित है ।

निम्न कूट का प्रयोग करके सही विकल्प का चयन कीजिये :

(1) (a) तथा (b) सही हैं ।
(2) (b) तथा (c) सही हैं ।
(3) केवल (b) सही है ।
(4) (a), (b) तथा (c) सही हैं ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

69. मनुस्मृति में धर्म के लक्षण कितने गिनाये गये हैं ?

(1) 2
(2) 4
(3) 3
(4) 1
(5) अनुत्तरित प्रश्न

66. What is the allocation of the four Purusharthas to the four Varnas according to the Hindu Dharma Shastras ?

	Brahman	Kshatriya	Vaishya	Shudra
(1)	Dharma	Artha	Kama	Moksha
(2)	Dharma	Moksha	Artha	Kama
(3)	Moksha	Dharma	Artha	Kama
(4)	Moksha	Moksha	Moksha	Moksha

(5) Question not attempted

67. What is not the meaning of the term "Ṛta" according to Yaska ?

(1) Truth (2) Yajña
(3) Fire (4) Water
(5) Question not attempted

68. Consider the following statements about Buddhist conception of Aṣṭāngika -mārg :

(a) To accomplish Samyak vāka-karmānta-ajīva, one has to follow daśa-śīla.
(b) Tri-śikṣā comprises of śila-samādhi-prajñā.
(c) Anupaśyanā is related to Samyak-dṛṣṭi.

Select the correct answer choosing the codes below :

(1) (a) & (b) are correct.
(2) (b) & (c) are correct.
(3) Only (b) is correct.
(4) (a), (b) & (c) are correct.
(5) Question not attempted.

69. How many characteristics of Dharma are counted in the Manusmruti ?

(1) 2
(2) 4
(3) 3
(4) 1
(5) Question not attempted

70. अनासक्ति योग के लेखक हैं
(1) गाँधी
(2) श्री अरबिन्दो
(3) राधाकृष्णन
(4) विवेकानंद
(5) अनुत्तरित प्रश्न

71. निम्न सही क्रम है :
(1) स्वराज–स्वदेशी–सर्वोदय
(2) स्वदेशी–स्वराज–सर्वोदय
(3) सर्वोदय–स्वदेशी–स्वराज
(4) तीनों ही युगपद हैं ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

72. गाँधीजी के अनुसार अहिंसा का आधार क्या है ?
(1) प्रेम
(2) सत्य
(3) मैत्री
(4) क्षमा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

73. गाँधीजी सत्याग्रह को कौन सा पद (वाचक) नहीं देते ?
(1) सत्य–शक्ति
(2) आत्म–शक्ति
(3) प्रेम–शक्ति
(4) ईश्वर–शक्ति
(5) अनुत्तरित प्रश्न

74. गाँधी के एकादश व्रत में निम्न नहीं है :
(1) अभय
(2) अस्पृश्यता–निवारण
(3) स्वदेशी
(4) करुणा
(5) अनुत्तरित प्रश्न

70. Anasakti-Yoga is authored by :
(1) Gandhi
(2) Aurobindo
(3) Radhakrishnan
(4) Vivekananda
(5) Question not attempted

71. The correct sequence is :
(1) Swaraj-Swadeshi-Sarvodaya
(2) Swadeshi-Swaraj-Sarvodaya
(3) Sarvodaya-Swadeshi-Swaraj
(4) The three are simultaneous
(5) Question not attempted

72. What is the ground of non-violence according to Gandhiji ?
(1) Love
(2) Truth
(3) Friendship
(4) Forgiveness
(5) Question not attempted

73. What is not the term given by Gandhiji to Satyagraha ?
(1) Truth-force
(2) Soul-force
(3) Love-force
(4) God-force
(5) Question not attempted

74. The Ekādaśa vrata of Gandhi does not consist of :
(1) Abhaya
(2) Aspṛśyatā-nivāraṇa
(3) Swadeśī
(4) Karuṇā
(5) Question not attempted

75. निम्न सुमेलित नहीं है :
(1) गाँधी–हिन्द स्वराज
(2) राधाकृष्णन–दि हिन्दू वे ऑफ़ लाइफ
(3) श्री अरबिन्दो–सावित्री
(4) विवेकानंद–दि सब्जेक्ट ऐज़ फ्रीडम
(5) अनुत्तरित प्रश्न

76. विवेकानन्द के अनुसार, संस्थागत धर्म से संबंधित क्या नहीं है ?
(1) श्रद्धा
(2) ज्ञान
(3) आचरण
(4) सिद्धि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

77. विवेकानन्द के अनुसार वेदान्त क्या प्रतिपादित करता है ?
(1) एकता में अनेकता
(2) अनेकता में एकता
(3) अनेकता में एकता और एकता में अनेकता
(4) एकता की सत्यता और अनेकता की असत्यता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

78. कौन सा कथन न्यासधारिता की अवधारणा से संबद्ध नहीं है ?
(1) यह वर्ग–संघर्ष का निषेध करता है ।
(2) यह वर्ग–भेद को तार्किक मानता है ।
(3) यह मानव के आधारभूत शुभत्व में विश्वास करता है ।
(4) यह शिक्षा और समझाईश की पद्धति को अपनाता है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

75. Following is incorrectly matched :
(1) Gandhi – Hind Swaraj
(2) Radhakrishnan – The Hindu Way of Life
(3) Aurobindo – Savitri
(4) Vivekananda – The Subject as Freedom
(5) Question not attempted

76. What is not related to institutional religion according to Vivekananda ?
(1) Faith
(2) Knowledge
(3) Practice
(4) Realization
(5) Question not attempted

77. What does Vedanta propound according to Vivekananda ?
(1) Diversity in Unity
(2) Unity in Diversity
(3) Unity in Diversity and Diversity in Unity
(4) Truth of Unity and Fallsity of Diversity
(5) Question not attempted

78. What statement does not belong to the concept of trusteeship ?
(1) It denies class-struggle.
(2) It believes that the class-division is logical.
(3) It believes in the basic goodness of a man.
(4) It adopts the method of teaching and persuasion.
(5) Question not attempted

79. राधाकृष्णन के मत में धार्मिक अनुभव नहीं है
(1) एक ऐसा अनुभव जिसमें ज्ञाता और ज्ञेय का भेद समाप्त हो जाता है।
(2) यह एक समग्र तथा अविभाजित अनुभव है।
(3) धार्मिक अनुभूति सम्पूर्ण मानव का सम्पूर्ण सत्ता के प्रति पूर्ण प्रतिक्रिया है।
(4) यह किसी व्यक्ति के जीवन में अवरोधपूर्ण स्थिति उत्पन्न कर देता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

80. राधाकृष्णन का योगदान निम्न नहीं है :
(1) पूर्व और पश्चिम का संश्लेषण
(2) वेदांत को समकालिक बनाना
(3) जीवन के आदर्श पथ का प्रारूप चित्रित करना
(4) समाजवाद का वेदान्तीय प्रारूप
(5) अनुत्तरित प्रश्न

81. राधाकृष्णन के अनुसार किस प्रकार के जीवन में अन्तःप्रज्ञा का पूर्ण विकास संभव है ?
(1) नैतिक जीवन में
(2) धार्मिक जीवन में
(3) चिन्तनात्मक जीवन में
(4) सौन्दर्यानुभूतिमय जीवन में
(5) अनुत्तरित प्रश्न

82. विवेकानन्द के 'सार्वभौम धर्म' के विषय में निम्न सही नहीं है :
(1) सार्वभौम मूल्यों की भावात्मक स्वीकृति
(2) इसमें एक सार्वभौम दर्शन या मिथकीय होना चाहिए।
(3) सार्वभौम धर्म पहले से ही विद्यमान है।
(4) पंथों के मतभेदों के उपरांत भी सार्वभौम धर्म विद्यमान रह सकता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

79. In the view of Radhakrishnan, religious experience is not :
(1) Such an experience where the distinction of knower and known disappears.
(2) It is an integral and undivided experience.
(3) Religious experience is the total reaction of the whole man to the whole reality.
(4) It creates a disturbed state in the individual's life.
(5) Question not attempted

80. The following was not a contribution of Radhakrishnan :
(1) Synthesis of East and West
(2) Contemporizing Vedanta
(3) Portraying a model of Idealistic Way of Life
(4) Vedāntic model of Socialism
(5) Question not attempted

81. In what form of life, the perfection of Intuition is possible according to Radhakrishnan ?
(1) In moral life.
(2) In religious life.
(3) In contemplative life.
(4) In the life of aesthetic experiences.
(5) Question not attempted

82. The following is not correct about Vivekānanda's 'Universal religion :
(1) Positive acceptance of universal values.
(2) It must have one universal philosophy or mythology.
(3) The universal religion already exists.
(4) Universal religion exists despite sectarian differences.
(5) Question not attempted

83. श्री अरबिन्दो के जगत् विषयक मत के विषय में निम्न सत्य नहीं है :

(1) सृष्टि शिव के आनंदमय नृत्य जैसी है ।

(2) सृष्टि चित्शक्ति द्वारा अविद्या में अवतरण है ।

(3) यदि निरपेक्ष तत्त्व जगत् को अज्ञान की जगह ज्ञान से बनाता है तो यह एक उच्चतर जगत् होगा ।

(4) माया एक प्रवंचना है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

84. श्री अरबिन्दो का पूर्ण योग क्या है ?

(1) यह आरोह गति है ।

(2) यह अवरोह गति है ।

(3) यह दोनों, आरोह गति और अवरोह गति हैं ।

(4) यह न आरोह गति है न अवरोह गति है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

85. श्री अरबिन्दो के दर्शन में सर्वव्यापी ज्ञान की माया का क्या कार्य है ?

(1) एकत्व का आवरण करना और नानात्व का विक्षेप करना ।

(2) नानात्व का आवरण करना और एकत्व का विक्षेप करना ।

(3) नानात्व की रचना ।

(4) एकत्व और नानात्व दोनों को बनाये रखना ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

86. श्री अरबिन्दो के मत में दो गोलार्धों के मध्य की कड़ी है

(1) निरपेक्ष तत्व

(2) अतिमानस

(3) चित्शक्ति

(4) आनंद तत्त्व

(5) अनुत्तरित प्रश्न

83. The following is not true about Shri Aurobindo's account of world :

(1) Creation is like ecstatic dance of Śiva.

(2) Creation is plunge of Spirit into Ignorance.

(3) If the Absolute creates out of knowledge instead of ignorance, it will be a higher world.

(4) Maya is delusion.

(5) Question not attempted

84. What is the integral yoga of Sri Aurobindo ?

(1) It is a movement of ascent.

(2) It is a movement of descent.

(3) It is both movement of ascent and movement of descent.

(4) It is neither movement of ascent nor movement of descent.

(5) Question not attempted

85. What is the function of cosmic Maya of knowledge in the philosophy of Sri Aurobindo ?

(1) to conceal unity and project diversity

(2) to conceal diversity and project unity

(3) to create diversity

(4) to retain both unity and diversity

(5) Question not attempted

86. The common link between the two hemispheres, in Shri Aurobindo's views is :

(1) The Absolute

(2) Supermind

(3) Consciousness force

(4) Blissful force

(5) Question not attempted

87. कृष्णचन्द्र भट्टाचार्य के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिये :

(a) अतीन्द्रिय चेतना न तो वस्तुनिष्ठ है न आत्मनिष्ठ ।

(b) कृष्णचन्द्र भट्टाचार्य ने कांट की अत्यंत मौलिक समीक्षा प्रस्तुत की है ।

(c) कृष्णचन्द्र भट्टाचार्य नव्य-वेदांत से सम्बंधित हैं ।

निम्न कूट का प्रयोग करके सही विकल्प का चयन कीजिये :

(1) (a) तथा (c) सही हैं ।

(2) (a) तथा (b) सही हैं ।

(3) केवल (b) सही है ।

(4) (a), (b) तथा (c) सही हैं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

88. अम्बेडकर की आदर्श समाज की अवधारणा क्या है ?

(1) वर्गविहीन समाज

(2) 'एक मनुष्य, एक मूल्य' सिद्धान्त पर आधारित समाज

(3) स्वतंत्रता, समानता और भ्रातृत्व सिद्धान्तों पर आधारित समाज

(4) भगवान् बुद्ध की शिक्षाओं पर आधारित समाज

(5) अनुत्तरित प्रश्न

89. अरविन्द दर्शन की विकास प्रक्रिया की विशेषता नहीं है –

(1) वाइडेनिंग (विस्तारण)

(2) कॉस्मिक माइंड (वैश्विक मनस)

(3) हाइटेनिंग (उर्विकरण)

(4) इन्टीग्रेशन (समग्रीकरण)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

87. Consider the following statements about K.C. Bhattacharya :

(a) Transcendental consciousness is neither objective nor subjective

(b) K.C. Bhattacharya has presented a very original critique of Kant

(c) K.C. Bhattacharya belongs to Neo-Vedanta.

Select the correct answer choosing the codes below :

(1) (a) & (c) are correct.

(2) (a) & (b) are correct.

(3) Only (b) is correct.

(4) (a), (b) & (c) are correct.

(5) Question not attempted

88. What is Ambedkar's concept of Ideal Society ?

(1) Classless society.

(2) Society based on the principle "One Man, One Value".

(3) Society based on the principles of Liberty, Equality and Fraternity.

(4) Society based on the Teachings of Lord Buddha.

(5) Question not attempted

89. Which one of the following is not the characteristic of the process of Evolution of Aurobindo's philosophy ?

(1) Widening

(2) Cosmic mind

(3) Hightening

(4) Integration

(5) Question not attempted

90. जे. कृष्णमूर्ति की "ज्ञात से मुक्ति" की अवधारणा की सही व्याख्या कौन सा वाक्य करता है ?

(1) पूर्व अर्जित ज्ञान को निरन्तर समृद्ध करते जाना चाहिए ।

(2) शारीरिक रूप से मृत्यु ही ज्ञात से मुक्ति है ।

(3) मनुष्य को ज्ञान, परम्परा और मान्यताओं से दबे रहना चाहिए ।

(4) प्रत्येक ज्ञात वस्तु अर्थात् अपने परिवार, अपनी स्मृति आदि के प्रति मर जाना ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

91. डी.पी. चट्टोपाध्याय के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिये :

(a) उनके लिये अधिकतर भारतीय दार्शनिक संप्रदाय अनीश्वरवादी हैं ।

(b) उनकी व्याख्या में, सांख्य मूलतः अधिभूतविद्या है ।

(c) विशुद्ध चैतन्य पुरुष सांख्य में वेदांत से आयातित है ।

निम्न कूट का प्रयोग करके सही विकल्प का चयन कीजिये :

(1) केवल (a) तथा (c) सही हैं ।

(2) केवल (b) तथा (c) सही हैं ।

(3) केवल (b) सही है ।

(4) (a), (b) तथा (c) सही हैं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

92. "वैदिक नैतिकता कल्पित स्वर्ग एवं मोक्ष का प्रलोभन देकर सामान्य जनों को भौतिक रूप से विपन्न बना रही थी ।" – यह विचार किस आधुनिक भारतीय चिन्तक का है ?

(1) डॉ. अम्बेडकर

(2) जे. कृष्णमूर्ति

(3) महात्मा गाँधी

(4) देवी प्रसाद चट्टोपाध्याय

(5) अनुत्तरित प्रश्न

90. Which sentence correctly explains J. Krishnamurti's concept of "Freedom from the known" ?

(1) The previously acquired knowledge should continue to be enriched.

(2) Physically death is freedom from the known.

(3) Man should remain suppressed by knowledge, tradition and beliefs.

(4) Dying to everything known i.e. your family, your memory etc.

(5) Question not attempted

91. Consider the following statements about D.P. Chattopadhyaya :

(a) For him most philosophical systems of India were atheistic in fervour.

(b) The original Sāṁkhya in his interpretation is materialistic

(c) The idea of pure conscious being Puruṣa in Sāṁkhya is an importation from Vedanta

Select the correct answer choosing the cods below :

(1) Only (a) & (c) are correct.

(2) Only (b) & (c) are correct.

(3) Only (b) is correct.

(4) (a), (b) & (c) are correct.

(5) Question not attempted

92. "Vedic morality was making common people materially destitute by luring them with imaginary heaven and Salvation." Which modern Indian philosopher's idea is this ?

(1) Dr. Ambedkar

(2) J. Krishnamurti

(3) Mahatma Gandhi

(4) Devi Prasad Chattopadhyay

(5) Question not attempted

93. विवेकानन्द का दर्शन क्या है ?

(1) अध्यात्मवाद

(2) मानवतावाद

(3) धार्मिक क्रियावाद

(4) आध्यात्मिक मानवतावाद

(5) अनुत्तरित प्रश्न

94. डॉ. अंबेडकर के अनुसार भारतीय दासता का कारण क्या है ?

(1) अध्यात्मवाद

(2) सामाजिक व्यवस्था

(3) पलायनवाद

(4) अहिंसा

(5) अनुत्तरित प्रश्न

95. निम्न में से कौन सा सुमेलित नहीं है ?

(1) कृष्णचन्द्र भट्टाचार्य – अतीन्द्रिय प्रत्ययवाद

(2) कृष्णमूर्ति – हू ब्रिंग्स दि ट्रूथ

(3) एम.एन. रॉय – इण्डियन एथेइज़्म

(4) डी.पी. चट्टोपाध्याय – लोकायत

(5) अनुत्तरित प्रश्न

96. कृष्णचन्द्र भट्टाचार्य ने निषेध के _____ भेद किये हैं।

(1) 3

(2) 4

(3) 5

(4) 7

(5) अनुत्तरित प्रश्न

93. What is the philosophy of Vivekanada ?

(1) Spritiualism

(2) Humanism

(3) Religious Pragmatism

(4) Spiritual Humanism

(5) Question not attempted

94. What is the cause of Indian Slavery according to Dr. Ambedkar ?

(1) Idealism

(2) Social Organization

(3) Escapism

(4) Non-Violence

(5) Question not attempted

95. Which one of the following is incorrectly paired ?

(1) K.C. Bhattacharya – Transcendental Idealism

(2) Krishnamurti – Who Brings the Truth

(3) M.N. Roy – Indian Atheism

(4) D.P. Chattopadhyaya – Lokayat

(5) Question not attempted

96. K.C. Bhattacharya distinguishes _____ number of negations.

(1) 3

(2) 4

(3) 5

(4) 7

(5) Question not attempted

97. डी.पी. चट्टोपाध्याय के अनुसार वेदों में देवता शब्द का मूलत: अर्थ कामरेड क्यों है ?
(1) क्योंकि वे साथ-साथ भोजन करते हैं ।
(2) क्योंकि वे साथ-साथ पशु चराते हैं ।
(3) क्योंकि वे साथ-साथ शिकार करते हैं ।
(4) क्योंकि वे साथ-साथ शयन करते हैं ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

98. निम्न में एम.एन. रॉय की अवधारणा नहीं है :
(1) शास्त्रीय भारतीय दर्शन की भौतिकतावादी व्याख्या
(2) गांधीवाद की समालोचना
(3) मार्क्सवाद की समालोचना
(4) विचारों में स्वराज
(5) अनुत्तरित प्रश्न

99. अम्बेडकर निम्न पुस्तक के लेखक हैं :
(1) बुद्ध एंड हिज़ धम्म
(2) इण्डियन एथेइज़्म
(3) लोकायत
(4) न्यू ह्यूमनिज़्म
(5) अनुत्तरित प्रश्न

100. जे. कृष्णमूर्ति के अनुसार आनन्द की दशा क्या है ?
(1) सत्य की खोज के साथ वर्तमान में जीना
(2) सत्य की खोज के बिना वर्तमान में जीना
(3) सुख की खोज के साथ वर्तमान में जीना
(4) सुख की खोज के बिना वर्तमान में जीना
(5) अनुत्तरित प्रश्न

101. एम. एन. रॉय के अनुसार सही क्रम है
(1) ज्ञान-स्वतंत्रता-सत्य
(2) स्वतंत्रता-ज्ञान-सत्य
(3) स्वतंत्रता-सत्य-ज्ञान
(4) ज्ञान-सत्य-स्वतंत्रता
(5) अनुत्तरित प्रश्न

97. Why does according to D.P. Chattopadhyaya in the Vedas originally Devata meant Comrade ?
(1) Because they take food together.
(2) Because they graze animals together.
(3) Because they go to hunting together.
(4) Because they sleep together.
(5) Question not attempted

98. The following is not a conception of M.N. Roy :
(1) Materialistic Interpretation of Classical Indian Philosophy
(2) Critique of Gandhism
(3) Critique of Marxism
(4) Swaraj in Ideas
(5) Question not attempted

99. The following book was authored by Ambedkar :
(1) Buddha and His Dhamma
(2) Indian Atheism
(3) Lokayat
(4) New Humanism
(5) Question not attempted

100. What is the state of bliss according J. Krishnamurti ?
(1) To live in the present with the search of truth.
(2) To live in the present without the search of truth.
(3) To live in the present with the search of happiness.
(4) To live in the present without the search of happiness.
(5) Question not attempted

101. The following is the correct sequence according to M.N. Roy :
(1) Knowledge – Freedom – Truth
(2) Freedom – Knowledge – Truth
(3) Freedom – Truth – Knowledge
(4) Knowledge – Truth – Freedom
(5) Question not attempted

102. 'एनिह्लेशन ऑफ़ कास्ट' में अम्बेडकर द्वारा निम्न को विशद उत्तर दिया गया है :
(1) गाँधी
(2) एम.एन. रॉय
(3) नेहरू
(4) डी.पी. चट्टोपाध्याय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

103. वैशेषिक में पर-सामान्य का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है :
(1) द्रव्यत्त्व
(2) पृथिवित्त्व
(3) परमाणुत्त्व
(4) सत्तात्त्व
(5) अनुत्तरित प्रश्न

104. गलत युग्म का चयन कीजिए :
(1) रामानुज – विशिष्टाद्वैतवाद
(2) निम्बार्क – द्वैताद्वैतवाद
(3) वल्लभाचार्य – शुद्धाद्वैतवाद
(4) मध्वाचार्य – अद्वैतवाद
(5) अनुत्तरित प्रश्न

105. निम्न निरपेक्षवाद से सर्वाधिक दूरस्थ है :
(1) शंकर
(2) मध्व
(3) सांख्य
(4) रामानुज
(5) अनुत्तरित प्रश्न

106. निम्न के अतिरिक्त अन्य सभी की मार्क्सवादी/समाजवादी दृष्टि के प्रति सहानुभूति थी अथवा इनके द्वारा इसकी नवीन व्याख्या दी गयी :
(1) एम.एन. रॉय
(2) डी.पी. चट्टोपाध्याय
(3) विवेकानंद
(4) कृष्णचन्द्र भट्टाचार्य
(5) अनुत्तरित प्रश्न

102. In the 'Annihilation of Caste' Ambedkar makes an elaborate reply to :
(1) Gandhi
(2) M.N. Roy
(3) Nehru
(4) D.P. Chattopadhyaya
(5) Question not attempted

103. Following is the best example of instance of para-sāmānya in Vaiśeṣika :
(1) Dravyattva
(2) Pṛthivittva
(3) Paramāṇuttva
(4) Sattātva
(5) Question not attempted

104. Choose the wrong pair :
(1) Rāmānuja – Vishista-dvaitavada
(2) Nimbārka – Daitā-dvaitavada
(3) Vallabhacharya – Shuddhā-dvaitavada
(4) Madhvacharya – Advāitāvada
(5) Question not attempted

105. The underneath is most distant to absolutism :
(1) Śaṁkara
(2) Madhya
(3) Sāṁkhya
(4) Rāmānuja
(5) Question not attempted

106. All but following had leanings towards Marxist or Socialist vision or gave its fresh interpretation :
(1) M.N. Roy
(2) D.P. Chattopadhyaya
(3) Vivekananda
(4) K.C. Bhattacharya
(5) Question not attempted

107. अद्वैत में अविद्या के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिये :

(a) तूलाविद्या जगत् आभास का कारण है ।

(b) यह शंकर में ब्रह्म की वास्तविक शक्ति है ।

(c) यह माया का समानार्थक है ।

निम्न कूट का प्रयोग करके सही विकल्प का चयन कीजिये :

(1) (a) तथा (c) सही हैं ।

(2) (b) तथा (c) सही हैं ।

(3) केवल (c) सही है ।

(4) (a), (b) तथा (c) सही हैं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

108. ऋग्वेद में 'अग्नि' को देवता मानते हुए किससे तुलना की गई है ?

(1) नाई (2) लुहार

(3) बढ़ई (4) कुम्हार

(5) अनुत्तरित प्रश्न

109. वैशेषिक में विशेष के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिये :

(a) विशेष की संख्या अनन्त है ।

(b) विशेष अवयवी द्रव्यों के विशेषत्व का आधार है ।

(c) विशेष स्वयं निर्गुण है ।

निम्न कूट का प्रयोग करके सही विकल्प का चयन कीजिये :

(1) (a) तथा (c) सही हैं ।

(2) (b) तथा (c) सही हैं ।

(3) केवल (b) सही है ।

(4) (a), (b) तथा (c) सही हैं ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

110. जैन तत्त्वमीमांसा को कहा जा सकता है

(1) निरपेक्षवादी बहुत्ववाद

(2) ईश्वरवादी बहुत्ववाद

(3) सापेक्षवादी द्वैतवाद

(4) सापेक्षवादी बहुत्ववाद

(5) अनुत्तरित प्रश्न

107. Consider the following statements about Avidyā in Advait :

(a) Tūlāvidyā is the cause of jagat appearance.

(b) It is the real power of Brahma in Śaṁkara.

(c) It is synonymous with Māyā.

Select the correct answer choosing the codes given below :

(1) (a) & (c) are correct

(2) (b) & (c) are correct

(3) Only (c) is correct

(4) (a), (b)& (c) are correct

(5) Question not attempted

108. What comparison has been made in the Rigveda considering "Agni" as a deity ?

(1) Barber (2) Blacksmith

(3) Carpenter (4) Potter

(5) Question not attempted

109. Consider the following statements about Viśeṣa in Vaiśeṣika :

(a) Viśeṣa is infinite in number.

(b) It accounts for the particularity of composite objects.

(c) Viśeṣa is itself qualityless.

Select the correct answer choosing the codes below :

(1) (a) & (c) are correct

(2) (b) & (c) are correct

(3) Only (b) is correct

(4) (a), (b) & (c) are correct

(5) Question not attempted

110. What can be called Jain metaphysics ?

(1) Absolute Pluralism

(2) Theistic Pluralism

(3) Relativistic dualism

(4) Relativistic pluralism

(5) Question not attempted

111. शंकर और रामानुज दोनों की ब्रह्म सम्बन्धी अवधारणा में निम्न में कौन सा कथन असत्य है ?

(1) शंकर का ब्रह्म निर्गुण और रामानुज का ब्रह्म सगुण है।

(2) शंकर के अनुसार ब्रह्म में सजातीय भेद है जबकि रामानुज के अनुसार विजातीय भेद है।

(3) शंकर का ब्रह्म अमूर्त है जबकि रामानुज का ब्रह्म मूर्त है।

(4) शंकर का ब्रह्म व्यक्तित्वहीन है जबकि रामानुज का ब्रह्म व्यक्तित्वपूर्ण है।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

112. अद्वैत में मिथ्या के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिये :

(a) इसका अर्थ है असत्य

(b) इसका अर्थ है असत्

(c) इसका अर्थ है न तो सत् न असत्

निम्न कूट का प्रयोग करके सही विकल्प का चयन कीजिये :

(1) (a) तथा (c) सही हैं।

(2) (b) तथा (c) सही हैं।

(3) केवल (c) सही है।

(4) (a), (b) तथा (c) सही हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

113. अनेकान्तवाद से असंगत है

(1) निक्षेपवाद

(2) अहिंसा की नैतिकता

(3) बाह्यार्थवाद

(4) एकतत्त्ववाद

(5) अनुत्तरित प्रश्न

111. Which of the following statements, is false in the concept of Brahma of both Shankara and Ramanuja ?

(1) Shankar's Brahma is Nirguna and Ramanuja's Brahma is Saguna.

(2) According to Shankar there is Sajatiya Bheda in Brahma whereas according to Ramanuja there is Vijatiya Bheda.

(3) Shankara's Brahma is abstract whereas Ramanuja's Brahma is concrete.

(4) Shankara's Brahma is personalityless whereas Ramanuja's Brahma is complete personality.

(5) Question not attempted

112. Consider the following statements about Mithyā in Advait :

(a) It means false

(b) It means unreal

(c) It means neither real nor unreal.

Select the correct answer choosing the codes below :

(1) (a) & (c) are correct.

(2) (b) & (c) are correct.

(3) Only (c) is correct.

(4) (a), (b) & (c) are correct.

(5) Question not attempted

113. The underneath is inconsistent with Anekāntavāda :

(1) Nikṣepavāda

(2) Ethics of Ahiṁsā

(3) Bāhyārthavāda

(4) Monism

(5) Question not attempted

114. चित्-अचित् के ब्रह्म से सम्बन्ध की व्याख्या के लिये अंश-अंशी रूपक का प्रयोग निम्न ने किया है :

(1) मध्व (2) रामानुज
(3) शंकर (4) हस्तामलक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

115. वैशेषिक के पदार्थ विचार के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिये :

(a) इसे ज्ञेय होना चाहिए ।
(b) इसे अभिधेय होना चाहिए ।
(c) इसे गुण अथवा कर्म का आधार अथवा मिश्र तत्त्वों का समवायी कारण होना चाहिए ।

निम्न कूट का प्रयोग करके सही विकल्प का चयन कीजिये :

(1) (a) तथा (b) सही हैं ।
(2) (b) तथा (c) सही हैं ।
(3) केवल (b) सही है ।
(4) (a), (b) तथा (c) सही हैं ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

116. अद्वैत वेदान्तियों के अनुसार अविद्या (माया) को निम्न में से किस-किस रूप में स्वीकार किया है ?

(a) भावरूप (b) अनादि
(c) जड़ (d) चेतन

सही उत्तर का चयन करें :

(1) (a) (b) व (c)
(2) (b), (c) व (d)
(3) (a), (b) व (d)
(4) (a), (c) व (d)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

117. आत्म का बंधन सभी में वास्तविक है सिवाय निम्न के :

(1) रामानुज (2) मध्व
(3) सांख्य (4) न्याय
(5) अनुत्तरित प्रश्न

114. The analogy of part (aṅśa) and whole (aṅśī) to explain the relation between cita-actia and Brahma is used by :

(1) Madhva (2) Rāmānuja
(3) Śaṁkara (4) Hastāmalaka
(5) Question not attempted

115. Consider the following statements about padārtha in Vaiśeṣika :

(a) It must be knowable
(b) It must be nameable
(c) It must be substratum of qualities or action or an inherent cause of composite objects.

Select the correct answer choosing the codes below :

(1) (a) & (b) are correct.
(2) (b) & (c) are correct.
(3) Only (b) is correct.
(4) (a), (b) & (c) are correct.
(5) Question not attempted

116. According to Advaita Vedanti, Avidya (Maya) has been accepted in which of the following forms ?

(a) Bhāvarūpā (Positive)
(b) Anādi (Beginingless)
(c) Jadā (Unconscious)
(d) Chetan (Conscious)

Select the correct answer :

(1) (a), (b) and (c)
(2) (b), (c) and (d)
(3) (a), (b) and (d)
(4) (a), (c) and (d)
(5) Question not attempted

117. The bondage of self is a real event in all except :

(1) Rāmānuja (2) Madhva
(3) Sāṁkhya (4) Nyāya
(5) Question not attempted

118. अविद्या के आश्रय के विषय में निम्न कथनों पर विचार कीजिये :

(a) भामती प्रस्थान के अनुसार इसका आश्रय ब्रह्म है।

(b) विवरण प्रस्थान के अनुसार इसका आश्रय जीव है।

(c) इसका कोई आश्रय नहीं है – यह रामानुज की प्रमुख अनुपपत्ति है।

निम्न कूट का प्रयोग करके सही विकल्प का चयन कीजिये :

(1) (a) तथा (c) सही हैं।

(2) (b) तथा (c) सही हैं।

(3) केवल (c) सही है।

(4) (a), (b) तथा (c) सही हैं।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

119. रामानुज ने चित् (जीवात्मा) के कौन से तीन प्रकार स्वीकार किए हैं ?

(1) नित्य-जीव, मुक्त-जीव, बद्ध-जीव

(2) मुक्त-जीव, बद्ध-जीव, स्थावर-जीव

(3) बद्ध-जीव, स्थावर-जीव, त्रास-जीव

(4) नित्य-जीव, बद्ध-जीव, स्थावर-जीव

(5) अनुत्तरित प्रश्न

120. "यतो वा इमानि भूतानि जायन्ते..." किस उपनिषद से है ?

(1) मुण्डक (2) ईश

(3) तैत्तिरीय (4) काठक

(5) अनुत्तरित प्रश्न

121. शंकराचार्य के अनुसार 'सत्' का क्या लक्षण है ?

(1) अर्थक्रियाकारित्वम्

(2) उत्पादव्ययध्रोव्यसंयुक्तम्

(3) त्रिकालाऽबाध्यत्वम्

(4) सफल क्रिया सामर्थ्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

118. Consider the following statements about Avidyā's locus :

(a) As per Bhāmatī prasthāna, it resides in Brahma.

(b) As per Vivarana prasthāna it resides in Jīva.

(c) It has no locus : this is the first major objection of Rāmānuja.

Select the correct answer choosing the codes below :

(1) (a) & (c) are correct.

(2) (b) & (c) are correct.

(3) Only (c) is correct.

(4) (a), (b) & (c) are correct.

(5) Question not attempted

119. Which three types of 'Chita (Soul) have been accepted by Ramanuja ?

(1) Nitya Jiva, Muktā-Jiva, Baddhā-Jiva

(2) Muktā-Jiva, Baddhā-Jiva, Sthavarā-Jiva

(3) Baddhā-Jiva, Sthavarā-Jiva, Trasa-Jiva

(4) Nitya Jiva, Baddhā-Jiva, Sthavarā-Jiva

(5) Question not attempted

120. Yato-vā-imāni-bhūtāni jāyante ..., is from which Upaniṣad ?

(1) Muṇḍaka (2) Īśa

(3) Taittirīya (4) Kāṭhak

(5) Question not attempted

121. According to Shankaracharya, what is the characteristic of 'Reality' ?

(1) Aathkriyakaritavā

(2) Utpādavyayadhrau-vyasamyuktam

(3) Trikalaabadhytavam

(4) Safalkriyasamarthya

(5) Question not attempted

122. न्याय वैशेषिक मत में, निम्न में कौन सा केवल नित्य द्रव्य के रूप में रहता है ?
(1) पृथ्वी
(2) तेज
(3) वायु
(4) आकाश
(5) अनुत्तरित प्रश्न

123. न्याय वैशेषिक के कारणता विचार से निम्न में क्या सुसंगत है ?
(a) तंतु-संयोग पट के लिए अन्यथासिद्ध है ।
(b) कार्य स्वयं का प्रागभाव-प्रतियोगी है ।
(c) मिट्टी और घट में संयोग संबंध है ।
निम्न कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन करें :
(1) केवल (a)
(2) केवल (b)
(3) (b) तथा (c)
(4) (a), (b) तथा (c)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

124. ऋग्वेद के कौन से सूक्त अद्वैतवाद की पुष्टि करते हैं?
(1) तत्वज्ञान सूक्त और हिरण्यगर्भ सूक्त
(2) पुरुष सूक्त और नासदीय सूक्त
(3) तत्वज्ञान सूक्त और पुरुष-सूक्त
(4) हिरण्यगर्भ सूक्त और नासदीय सूक्त
(5) अनुत्तरित प्रश्न

125. निम्नलिखित में से कौन सा एक मत उपनिषदों का है ?
(1) आत्मा कुछ नहीं है वरन् शरीर का उपोत्पाद है ।
(2) आत्मा का निषेध किया जा सकता है ।
(3) आत्म-चैतन्य के उत्तरोत्तर उत्कृष्ट चार स्तर हैं ।
(4) आत्मा की तुरीय अवस्था बुद्धिजन्य और निर्वचनीय है ।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

122. Which of the following exists as nitya dravya only in nyāya-Vaiśeṣika ?
(1) Prithivi
(2) Teja
(3) Vāyu
(4) Ākāśa
(5) Question not attempted

123. Which of the following are consistent with the nyāya-Vaiśeṣika view of causation ?
(a) Tantu – Saṁyoga in Paṭa is anyathāsiddha.
(b) Kārya (effect) is prāgabhāva – pratiyogi of itself.
(c) The relation between clay and pot is that of saṁyoga.
Select the correct answer using the codes below :
(1) (a) only (2) (b) only
(3) (b) & (c) (4) (a), (b) & (c)
(5) Question not attempted

124. Which hymn (Sukta) of Rigveda confirm Non-dualism ?
(1) Tattvagyan Sukta and Hiranyagarbha Sukta
(2) Purusha Sukta and Nasadiya Sukta
(3) Tattvagyan Sukta and Purusha Sukta
(4) Hiranyagarbha Sukta and Nasadiya Sukta
(5) Question not attempted

125. Which one of the following views is according to Upanishads ?
(1) The soul is nothing but a byproduct of the body.
(2) The soul can be negated.
(3) There are four progressively superior levels of self-consciousness.
(4) The Turiyavastha (Transcendental state) of the soul is intellectual and interpretable.
(5) Question not attempted

126. 'तत्त्वमसि' की अवधारणा के संदर्भ में निम्नलिखित में से क्या सही नहीं है ?

(1) यह ब्रह्म और आत्मा की अभेद्यता की अवधारणा है ।

(2) ज्ञाता और ज्ञेय दोनों में एक ही तत्त्व के होने की अवधारणा है ।

(3) यह ब्रह्म की अनन्तता व आत्मा की सीमितता की अवधारणा है ।

(4) परमतत्त्व (ब्रह्म) के ज्ञान से समस्त जड़चेतनमय जगत् के ज्ञान की अवधारणा है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

127. बौद्ध मत से कौन सा असंगत है ?

(1) यत्-क्षणिकम्-तत्-सत्

(2) अर्थक्रिया-कारित्वं सत्

(3) पञ्च-स्कंध

(4) त्रिकालाबाधित्वं सत्

(5) अनुत्तरित प्रश्न

128. सांख्य दर्शन और जैन दर्शन दोनों की मान्यता है कि

(1) असत् द्रव्यों की उत्पत्ति हो सकती है ।

(2) सत् द्रव्यों का विनाश हो सकता है ।

(3) असत् द्रव्यों का विनाश और सत् द्रव्यों की उत्पत्ति हो सकती है ।

(4) सत् द्रव्यों का विनाश और असत् द्रव्यों की उत्पत्ति नहीं हो सकती ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

129. लौकिको मार्गोऽनुसर्तव्य: किस मत का विचार है ?

(1) चार्वाक

(2) जैन

(3) सर्वास्तिवाद

(4) सांख्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

126. Which one of the following is wrong regarding the concept of 'Tattvamasi' ?

(1) This is the concept of impenetrability of Brahma and Soul.

(2) It is a concept of existence of the same element in both the knower and the known.

(3) This is the concept of infinity of Brahma and Finitude.

(4) The concept of knowledge of the entire animate-inanimate world is derived from the knowledge of the ultimate essence (Brahma).

(5) Question not attempted

127. The following is inconsistent with Buddhism :

(1) Yat – Ksaṇikam – tat – sat

(2) Arthakriyā – Kārittvaṁ – sat

(3) Pañca – Skandha

(4) Trikālābādhittvaṁ – sat

(5) Question not attempted

128. Both Samkhya Philosophy and Jain Philosophy believe that :

(1) Unreal substances can come into existence.

(2) Real substances can be destroyed.

(3) Unreal substances can be destroyed and real substances can be created.

(4) Real substances cannot be destroyed and unreal substances cannot come into being.

(5) Question not attempted

129. Laukiko – mārgo – anusartavyaḥ is the view of which school ?

(1) Chārāvāka (2) Jain

(3) Sarvāstivāda (4) Sāṁkhya

(5) Question not attempted

130. वेदान्त में ब्रह्म का तटस्थ-लक्षण है
(1) जन्माद्यस्य-यत:
(2) सत्यं-ज्ञानं-अनन्तम्
(3) सच्चिदानन्द
(4) निर्गुणत्व
(5) अनुत्तरित प्रश्न

131. निम्न में क्या सुमेलित नहीं है ?
(1) असत्कार्यवाद – परिणामवाद
(2) अजातिवाद – अद्वैत वेदान्त
(3) सत्कार्यवाद – विवर्तवाद
(4) आरम्भवाद – न्याय वैशेषिक
(5) अनुत्तरित प्रश्न

132. सदसत्कार्यवाद के समर्थक हैं :
(1) कुमारिल का मीमांसा सम्प्रदाय
(2) प्रभाकर का मीमांसा सम्प्रदाय
(3) विशिष्टाद्वैतवादी वेदान्त
(4) अद्वैतवादी वेदान्त
(5) अनुत्तरित प्रश्न

133. सांख्य दर्शन द्वारा सत्कार्यवाद के समर्थन में दी गई युक्तियों में सम्मिलित नहीं है
(1) उपादान ग्रहणात्
(2) कारणभावात्
(3) शक्तस्य शक्य करणात्
(4) समन्वयात्
(5) अनुत्तरित प्रश्न

134. शंकराचार्य द्वारा स्मृति का सादृश्यानुमान निम्न की परिभाषा में प्रयुक्त किया गया :
(1) अध्यास
(2) ब्रह्म
(3) आत्मा
(4) जीव
(5) अनुत्तरित प्रश्न

130. The tatasth – lakṣaṇa of Brahma in Vedānta is :
(1) Janmādyasya – Yataḥ
(2) Satyaṁ – jñānaṁ – anantaṁ
(3) Sachhidānanda
(4) Nirguṇattva
(5) Question not attempted

131. Which one of the following is not correctly matched ?
(1) Asatkāryavāda – Parināmavāda
(2) Ajātivāda – Advait Vedānta
(3) Satkāryavāda – Vivartavāda
(4) Ārambhavāda – Nyāya-Vaiśeṣika
(5) Question not attempted

132. Who are the supporters of Sadasatkaryvada ?
(1) Kumaril's mimaṁsa sect
(2) Prbhakar's mimaṁsa sect
(3) Vishisthadvaitavadi Vedanta
(4) Advaitavadi Vedanta
(5) Question not attempted

133. It is not included in the arguments given by Sankhya Philosophy in support of Satkaryavada :
(1) Upadanagrahnat
(2) Karanbhavat
(3) Saktshya Shakay Karnat
(4) Samanvyat
(5) Question not attempted

134. The analogy of memory is given by Shankaracharya in the definition of :
(1) Adhyāsa
(2) Brahma
(3) Ātman
(4) Jīva
(5) Question not attempted

135. सांख्य में जिसका पुनर्जन्म होता है, वह है

(1) आत्मा

(2) पुरुष

(3) स्थूल-शरीर

(4) सूक्ष्म-शरीर

(5) अनुत्तरित प्रश्न

136. "मुक्त आत्मा शुद्ध निर्मल ज्ञान युक्त व दोषों से रहित होकर ब्रह्म के सदृश हो जाता है" – इस मत के समर्थक कौन हैं ?

(1) रामानुज

(2) शंकराचार्य

(3) महर्षि कपिल

(4) गौड़पादाचार्य

(5) अनुत्तरित प्रश्न

137. विज्ञातारंडरे केन विजानीयात रेखांकित करता है निम्न को :

(1) आत्म के विशुद्ध ज्ञाता पक्ष को

(2) आत्म प्रमेय के रूप में

(3) आत्म का रहस्यात्मक स्वरूप

(4) त्वम् और तत् में अद्वय सम्बन्ध

(5) अनुत्तरित प्रश्न

138. न्याय-वैशेषिक दर्शन के अनुसार अवयवों तथा उनसे निर्मित अवयवी के बीच कौन सा सम्बन्ध है ?

(1) संयोग सम्बन्ध

(2) समवाय सम्बन्ध

(3) असमवायी सम्बन्ध

(4) संचारी सम्बन्ध

(5) अनुत्तरित प्रश्न

135. That which is reborn in Sāṁkhya is :

(1) Ātman

(2) Purusa

(3) Sthūla – śarīra

(4) Sūkṣma – śarīra

(5) Question not attempted

136. "The liberated soul, having pure knowledge and free from defects, becomes like Brahman" – who are the supporters of this opinion ?

(1) Ramanuja

(2) Shankaracharya

(3) Maharishi Kapil

(4) Godapadacharya

(5) Question not attempted

137. Vijñātāramare-kena-vijāniyāt underscores :

(1) Pure knower aspect of self

(2) Self as prameya

(3) Mystical nature of self

(4) Non-dual relation between You and That

(5) Question not attempted

138. What is the relationship between the components and the composite whole according to Nyaya-Vaisheshika philosophy ?

(1) Coincidental relationship

(2) Inherence relationship

(3) Non-inherence relationship

(4) Transitive relationship

(5) Question not attempted

139. न्याय-वैशेषिक दर्शन के विषय में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :

(a) ईश्वर स्वयं को संसार में रूपान्तरित करके संसार की रचना करता है ।

(b) ईश्वर जीवों के कर्मानुसार संसार की रचना करता है ।

(c) ईश्वर अभाव से संसार की रचना करता है ।

(d) ईश्वर पूर्व अस्तित्ववान परमाणुओं, दिक्-काल आदि से संसार की रचना करता है ।

उपरोक्त में से कौन से कथन सही हैं ?

(1) (a) व (b)

(2) (b) व (d)

(3) (c) व (d)

(4) (a) व (d)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

140. निम्नलिखित में से कौन सा एक जैन दर्शन के अनुसार सही नहीं है ?

(1) जीव शब्द आत्मा को इंगित करता है ।

(2) नित्यता और अपरिवर्तनशीलता आत्मा का मूल स्वभाव है ।

(3) आत्मा में विस्तार नहीं होता है ।

(4) चेतना आत्मा का स्वभाव है ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

141. वैशेषिक में सम्बन्ध के विषय में निम्न गलत है :

(1) समवाय अनेक है ।

(2) संयोग एक गुण है ।

(3) समवाय एक है ।

(4) पर्याप्ति एक सम्बन्ध है अंक व्यवस्था के कुछ पक्षों की व्याख्या हेतु ।

(5) अनुत्तरित प्रश्न

139. Consider the following statements about Nyaya-Vaisheshika philosophy :

(a) God creates the world by transforming himself into the world.

(b) God creates the world according to the actions of jīva.

(c) God creates the world from Abhāvā.

(d) God creates the world from pre-existing atoms, space-time, etc.

Which of the above statements are correct ?

(1) (a) and (b)

(2) (b)and (d)

(3) (c) and (d)

(4) (a) and (d)

(5) Question not attempted

140. Which of the following is not correct according Jain philosophy ?

(1) The word Jiva refers to the soul.

(2) The fundamental nature of the soul is eternal and unchanging.

(3) Soul does not possess extension.

(4) Consciousness is the essence of the soul.

(5) Question not attempted

141. In Vaiśeṣika, the following is incorrect about relation :

(1) The number of samavāya is plural.

(2) Saṁyoga is a quality.

(3) The number of samvāya is one.

(4) Paryāpti is a relation to account some facets of number system.

(5) Question not attempted

142. न्याय दर्शन में 16 पदार्थों, जो कि अधिकतर ज्ञानमीमांसा-तर्कशास्त्र से सम्बन्धित हैं, के ज्ञान का प्रतिफल होगा –

(1) पूर्ण ज्ञान

(2) अर्थ

(3) उचित-अनुचित का ज्ञान

(4) मोक्ष

(5) अनुत्तरित प्रश्न

143. अनीश्वरवाद के समर्थक दार्शनिकों का सही समूह हैं

(1) जैन, योग, सांख्य और मीमांसा

(2) जैन, सांख्य, बौद्ध और चार्वाक

(3) मीमांसा, सांख्य, चार्वाक और न्याय

(4) चार्वाक, योग, वैशेषिक और न्याय

(5) अनुत्तरित प्रश्न

144. ईश्वर के अस्तित्व हेतु उदयन के तर्क में 'प्रत्यय' है

(1) सत्तामूलक तर्क

(2) सृष्टिमूलक तर्क

(3) श्रुति का प्रमाण

(4) वेदों की प्रमाणिकता पर आधारित तर्क

(5) अनुत्तरित प्रश्न

145. रामानुज में ईश्वर है :

(a) परात्पर

(b) अंतर्व्याप्त

(c) पृथ्वी पर मनुष्य रूप में अवतरण करता है।

निम्न कूट का प्रयोग करते हुए सही विकल्प का चयन करें :

(1) (a), (b) और (c)

(2) (a) और (b)

(3) (a) और (c)

(4) (b) और (c)

(5) अनुत्तरित प्रश्न

142. The knowledge of 16 categories in Nyāya, most of which are epistemological-logical, leads to :

(1) Perfect knowledge

(2) Artha

(3) Knowledge of right and wrong

(4) Mokṣa

(5) Question not attempted

143. The group of Philosophers who are also the supporters of atheism is :

(1) Jain, Yoga, Sāṁkhya and Mimāṁsa

(2) Jain, Sāṁkhya, Buddhist and Charāvāka

(3) Mimāṁsa, Sāṁkhya, Charāvāka and Nyaya

(4) Charvāka, Yoga, Vaisheshika and Nyaya

(5) Question not attempted

144. 'Pratyaya' in Udayan's argument for existence of God is :

(1) Ontological argument

(2) Cosmological argument

(3) Proof from Śruti

(4) Argument from infallibility of Veda's

(5) Question not attempted

145. God in Rāmānuja is :

(a) Transcendent

(b) Immanent

(c) Descends in human form in the world

Select the correct answer using codes below :

(1) (a), (b) and (c)

(2) (a) and (b)

(3) (a) and (c)

(4) (b) and (c)

(5) Question not attempted

146. रामानुज में ईश्वर, चित् तथा अचित् में निम्न सम्बन्ध है :
(1) भेद (2) अभेद
(3) भेदाभेद (4) अपृथक्-सिद्धि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

147. वैशेषिक दर्शन के अनुसार श्रवणेन्द्रिय का आधार क्या है ?
(1) आकाश (2) जल
(3) पृथ्वी (4) अग्नि
(5) अनुत्तरित प्रश्न

148. विषय तथा विषयी में आत्यंतिक भेद सभी को मान्य है सिवाय निम्न के :
(1) अद्वैत वेदांत (2) सांख्य
(3) न्याय-वैशेषिक (4) उपनिषद्
(5) अनुत्तरित प्रश्न

149. वैशेषिक दर्शन के अनुसार संयोग-सम्बन्ध के सन्दर्भ में कौन से कथन सत्य हैं ?
(a) संयोग अनित्य संबंध हैं।
(b) संयोग नित्य संबंध है।
(c) संयोग सम्बन्ध के लिए कर्म आवश्यक है।
(d) संयोग बाह्य सम्बन्ध है।
सही उत्तर का चयन कीजिए :
(1) (a), (b) व (c)
(2) (b), (c) व (d)
(3) (a), (c) व (d)
(4) (a), (b) व (d)
(5) अनुत्तरित प्रश्न

150. रामानुजाचार्य के ईश्वर की अवधारणा के सम्बन्ध में गलत तथ्य है :
(1) ईश्वर और ब्रह्म भिन्न हैं।
(2) ईश्वर और ब्रह्म अभिन्न हैं।
(3) ईश्वर विश्व का अन्तर्यामी आत्मा है।
(4) ईश्वर में व्यक्तित्व की पूर्णता है।
(5) अनुत्तरित प्रश्न

146. The relation between God, consciousness and matter in Rāmānuja is :
(1) Bheda
(2) Abheda
(3) Bhedābheda
(4) Aprithak-siddhi
(5) Question not attempted

147. According to Vaisesika philosophy the sense of hearing is grounded in
(1) akasa (2) water
(3) earth (4) fire
(5) Question not attempted

148. A strict dichotomy between subject and object is characteristic of all except :
(1) Advaita Vedānta
(2) Sāṁkhya
(3) Nyāya-Vaiśeṣika
(4) Upaniṣad
(5) Question not attempted

149. According to Vaisheshika philosophy, which statements are true regarding Samayoga-Sambandha :
(a) Samyoga is impermanent relation
(b) Samyoga is permanent relation
(c) Karma is necessary for Samyoga relation
(d) Samyoga is external relation
Select the correct answer :
(1) (a), (b) and (c)
(2) (b), (c) and (d)
(3) (a), (c) and (d)
(4) (a), (b) and (d)
(5) Question not attempted

150. What is wrong regarding Ramanujacharya's concept of God ?
(1) God and Brahma are different.
(2) God and Brahma are inseparable.
(3) God is the inner soul of the universe.
(4) There is perfection of personality in God.
(5) Question not attempted

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK